डीडब्ल्यूईडी

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम (डीडब्ल्यूईडी)

सत्रीय कार्य 1 से 4 तक
जुलाई 2016 एवं जनवरी 2017 सत्रों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

जमा कराने की अंतिम तिथि

जुलाई 2016 सत्रः 1 फरवरी. 2017
जनवरी 2017 सत्रः 1 अगस्त. 2017

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)
सत्रीय कार्य 1

संगठन और नेतृत्व (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)
सत्रीय कार्य 2

कार्य और उद्यमशीलता (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)
सत्रीय कार्य 3

ऋण और वित्त (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)
सत्रीय कार्य 4

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : डीडब्ल्यूईडी

प्रिय विद्यार्थी,

आशा है कि अध्ययन के ये पाठ्यक्रम आपको रूचिकर लग रहे होंगे। सत्रीय कार्यो को एक–एक के आधार पर सही तरीके से करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

निर्देश

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।
2) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।
3) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें, जिससे आप संबद्व हैं।

आपके उत्तर पत्रक के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

पाठ्यक्रम का शीर्षक..................................	नामांकन संख्या..
सत्रीय कार्य संख्या	नाम ....
अध्ययन केंद्र..	पता...
	....
	....
	तारीख ....

---

4) अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।
5) प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।
6) अपना उत्तर अपनी लिखावट में ही लिखें।
7) प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें।

विशेष ध्यान देने योग्य बातः

देखने में आया है कि कुछ छात्र बोध प्रश्नों के अभ्यासों के उत्तर विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं। कृपया ऐसा मत कीजिए। ये अभ्यास रूपी प्रश्न आपको स्वयं अपनी प्रगति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इनके उत्तर दिए हैं।

अपने उत्तर पत्रक भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा है :

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है या नहीं।
- पाठ्यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखी है या नहीं।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग पत्रकों/शीटों पर लिखा है या नहीं और उन्हें सही ढंग से बाँध दिया है या नहीं।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर लिख दिए हैं या नहीं।

अब प्रश्नों के उतर देने से पहले यह निर्देश पढ़ लें।

ध्यान में रखने योग्य बिंदु

निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना, आपके लिए उपयोगी होगा :

1) **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ जरूरी बातें नोट कर लें और तत्पश्चात् उन्हें विवेकपूर्ण तरीके से व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में प्रश्न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसे कैसे स्पष्ट करेंगे। निष्कर्ष में आपके प्रश्न के उत्तर की प्रस्तुति अपेक्षित है।

उत्तर देने से पहले, यह सुनिश्चित करें कि :

क) आपका उत्तर विवेकपूर्ण और सुसंगत हो;

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध हो;

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा हो।

3) **प्रस्तुति** : जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य
(बीडब्ल्यूईएफ–002)
सत्रीय कार्य 1
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोडः बीडब्ल्यूईएफ–002

सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईएफ–002 / टीएमए–1 / 16–17

कुल अंकः 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. क्या महिलाओं और पुरूषों दोनों के लिए जेंडर प्रशिक्षण प्राप्त करना जरूरी है? अपने उत्तर की पुष्टि उचित कारण देते हुए कीजिए। 10
2. जेंडर प्रशिक्षण में मीडिया (जन संचार माध्यमों) की प्रभाविता का वर्णन कीजिए। जेंडर प्रशिक्षण में मीडिया के प्रयोग के पाँच उहाहरण दीजिए। 10
3. ''सहभागितापरक ग्रामीण मूल्यांकन जेंडर प्रशिक्षण आवश्यकताओं के निर्धारण में सहायक हो सकता है'' क्या आप इस कथन से सहमत हैं? अपने उत्तर की पुष्टि उदाहरणों की सहायता से कीजिए। 10
4. प्रशिक्षण प्रक्रिया का वर्णन, उचित उदाहरण देते हुए सविस्तार कीजिए। 10
5. किन्हीं दस तरीकों की सूची बनाइए जिनके अंतर्गत एक अच्छा प्रशिक्षक महिला समूहों को प्रशिक्षण देने के लिए अंतः वैयक्तिक संप्रेषण कौशलों का इस्तेमाल करता है। 10
6. ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं पर काम के भारी बोझ को स्वीकारने और इसे महत्व देने पर एक साधारण सत्र योजना की प्रस्तुति कीजिए। 10
7. किन्हीं पाँच जेंडर प्रशिक्षण आवश्यकताओं की सूची बनाइए जिनकी पूर्ति समूहों की बजाए व्यक्ति–विशेष प्रशिक्षण के आधार पर बेहतर तरीके से की जा सकती है। अपना उत्तर उचित उदाहरण देते हुए लिखिए। 10
8. महिला समूहों के साथ सहभागी मूल्यांकन करना कैसे संभव है? 10
9. किन्हीं पाँच तरीकों का वर्णन कीजिए जिनके अंतर्गत आप जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों / सहभागियों के आपसी द्वंद्वों का निपटान कर सकते हैं? 10
10. शहरी मलिन बस्तियों में आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम की किन्हीं पाँच मुख्य विषयवस्तुओं की पहचान कीजिए। 10

संगठन और नेतृत्व
(बीडब्ल्यूईई–006)
सत्रीय कार्य 2
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोडः बीडब्ल्यूईई–006

सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईई–006 / टीएमए–1 / 16–17

कुल अंकः 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्वांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।

1. स्व सहायता समूह गठित करने के लिए ग्रामीण महिलाओं को कैसे प्रशिक्षित किया जा सकता है? इस संबंध में प्रयुक्त किन्हीं दो कार्यनीतियों का वर्णन कीजिए। 10
2. महिला पंचायत सदस्यों के नेतृत्व संबंधी कौशलों को बेहतर बनाने के लिए, जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयवस्तुओं को सम्मिलित करेगें? सूची बनाइए। 10
3. महिला स्व सहायता समूहों को सुदृढ़ एवं चिरस्थायी बनाने के संबंध में सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए आप किन प्रशिक्षक सहायक सामग्रियों का इस्तेमाल करेगें? पहचान कीजिए। 10
4. महिला स्व सहायता समूहों में द्वंद्व निपटान पर आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए आप किन विधियों का प्रयोग करेंगें? किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। 10
5. सहकारी समितियों की विशिष्ट विशेषताओं का वर्णन कीजिए। किन्हीं दो महिला सहकारी समितियों के उदाहरण दीजिए। 10
6. गैर सरकारी संगठनों के सहायताकर्ताओं के लिए महिला स्व सहायता समूहों के कार्यनिष्पादन के मूल्यांकन पर आधारित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं विधियों की पहचान कीजिए। ऐसी पृष्ठभूमि आधारित सामग्री एकत्र कीजिए जिसे आप अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करना चाहेंगे। बताइए कि आप सत्र का आयोजन कैसे करेंगे और इस संदर्भ में आप कैसे तैयारी करेंगे एवं सत्र के लिए आपकी कार्ययोजना क्या होगी अर्थात् इन सभी पहलुओं का वर्णन भी कीजिए। 50

कार्य और उद्यमशीलता
(बीडब्ल्यूईई–007)
सत्रीय कार्य 3
(टी एम ए–1)

पाठ्यक्रम कोडः बीडब्ल्यूईई–007
सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईई–007 / टीएमए–1 / 16–17
कुल अंकः 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्वांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।

1. ग्रामीण क्षेत्रों के कृषि एवं गैर–कृषि क्षेत्रों में महिलाओं के कामकाजों को अहमियत एवं महत्व देने के लिए आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम की मुख्य विषयवस्तु में क्यों सम्मिलित किया जाना चाहिए? अपने उत्तर की पुष्टि, उदाहरण देते हुए कीजिए। 10
2. शहरी मलिन बस्तियों में महिला उद्यमशीलता और आजीविका अर्जन के महत्व को बढ़ाने पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयवस्तुओं को सम्मिलित करेंगे? सूची बनाइए। 10
3. उपलब्धि–अभिप्रेरण प्रशिक्षण के बारे में सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए आप किन प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों का प्रयोग करेंगे? पहचान कीजिए। 10
4. महिला उद्यमियों के लिए व्यवसाय योजना सूत्रीकरण पर आधारित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप किन विधियों का प्रयोग करेंगे? किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। 10
5. सूक्ष्म उद्यमों में सहलग्न महिला समूहों के सम्मुख आने वाले सामान्य अवरोध कौन से हैं? उचित उदाहरण देते हुए लिखिए। 10
6. महिला उद्यमियों के उद्यमशीलता कौशलों एवं सक्षमताओं के निर्माण पर आधारित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं विधियों की पहचान कीजिए। ऐसी पृष्ठभूमि आधारित सामग्री एकत्र कीजिए जिसे आप अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करना चाहेंगे। बताइए कि आप सत्र का आयोजन कैसे करेंगे और इस संदर्भ में आप कैसे तैयारी करेंगे एवं सत्र के लिए आपकी कार्ययोजना क्या होगी अर्थात् इन सभी पहलुओं का वर्णन भी कीजिए। 50

ऋण और वित्त
(बीडब्ल्यूईई–008)
सत्रीय कार्य 4
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य–1)

पाठ्यक्रम कोडः बीडब्ल्यूईई–008
सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईई–008 / टीएमए–1 / 16–17
कुल अंकः 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1 से 5 तक के प्रश्न दस–दस अंक के हैं। प्रश्न 6 के 50 अंक हैं और इसका उत्तर देने के लिए आपको व्यावहारिक रूप से उन सिद्वांतों को लागू करना होगा जिनका अध्ययन आपने पाठ्यक्रम की प्रशिक्षण इकाइयों में किया है।

1. सूक्ष्मऋण एवं सूक्ष्मवित्त संस्थानों के बारे में महिला स्व सहायता समूहों के सदस्यों को प्रशिक्षित करना क्यों जरूरी है? उचित उदाहरण देते हुए बताइए। 10
2. बचत, ऋण एवं वित्त पर आयोजित जेंडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में आप किन विषयुवस्तुओं को सम्मिलित करेंगे? सूची बनाइए। 10
3. स्व सहायता समूहों द्वारा सफल समूह निधि–प्रबंधन के लिए जरूरी दिशा–निर्देशों पर सहभागियों को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण सहायक सामग्रियों की पहचान कीजिए। 10
4. परिक्रामी ऋण एवं ऋण वितरण हेतु निर्मित मानदंडों पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र के लिए आप किन विधियों का प्रयोग करेंगे? किसी एक विधि का सविस्तार वर्णन कीजिए। 10
5. महिला स्व सहायता समूहों को ऋण प्रदान करने में नाबार्ड की क्या भूमिका है? 10
6. महिला स्व सहायता समूहों को ऋण प्रदान करने में सूक्ष्मवित्त संस्थानों और बैंकों की भूमिका पर आयोजित प्रशिक्षण सत्र की योजना तैयार कीजिए। अपने लक्ष्य समूह, समय योजना, प्रशिक्षण सामग्री एवं विधियों की पहचान कीजिए। ऐसी पृष्ठभूमि आधारित सामग्री एकत्र कीजिए जिसे आप अपने प्रशिक्षणार्थियों में परिचालित करना चाहेंगे और उन मुख्य बिंदुओं का वर्णन कीजिए जिन पर आप जोर देना चाहेंगे। बताइए कि आप सत्र का आयोजन कैसे करेंगे और इस संदर्भ में आप कैसे तैयारी करेंगे एवं सत्र के लिए आपकी कार्ययोजना क्या होगी अर्थात् इन सभी पहलुओं का वर्णन भी कीजिए। 50